

अमावस्या को समाप्त होता है, इसे 'मसांत' भी कहते हैं।

मुख्यतः अव्य. (तत्.) मुख्य रूप से।

मुख्यता स्त्री. (तत्.) मुख्य होने की अवस्था, गुण या भाव।

मुख्यमंत्री पुं. (तत्.) भारतीय गणतंत्र के अनुसार जनता द्वारा चयनित किसी राज्य का सबसे बड़ा मंत्री। राज्य के अन्य मंत्रियों में से यह सबसे बड़ा मंत्री और प्रधान होता है। Chief Minister

मुख्य सर्ग पुं. (तत्.) स्थावर सृष्टि।

मुख्याधिष्ठाता पुं. (तत्.) किसी स्थान विशेष रूप से शिक्षण संस्था का प्रधान अधिकारी या व्यवस्थापक जैसे- गुरुकुल के मुख्याधिष्ठाता।

मुख्यालय पुं. (तत्.) 1. किसी संस्था का केंद्रीय और प्रधान स्थान या प्रधान कार्यालय 2. किसी बड़े अधिकारी का मुख्य निवास स्थान।

मुगट पुं. (तद्.) दे. मुकुट।

मुगतना अ.क्रि. (तद्.) मुक्त होना।

मुगता पुं. (तद्.) दे. मुक्ता।

मुगदर पुं. (तत्.) जोड़ी, कसरत या व्यायाम करने के लिए काठ के बने टुकड़ों की वह जोड़ी जो दोनों हाथों में लेकर इधर-उधर और ऊपर-नीचे बारी-बारी से नीचे धुमाई जाती है।

मुगधारी वि. (तद्.) मूढ़, मूर्ख।

मुगना पुं. (तद्.) दे. मुनगा।

मुगरा पुं. (तद्.) दे. मोगरा।

मुगरेला पुं. (तद्.) दे. मुंगरैला।

मुगल पुं. (तुर्की.) 1. मंगोल देश का निवासी 2. मुसलमानों के चार वर्गों में से एक वर्ग 3. उक्त जाति का कोई भी व्यक्ति 4. काबुल और उसके आसपास के पठान 5. मंगोल देश के वो वंशज जो तातार देश में बसकर मुसलमान हो गए थे तथा इन्हीं के एक राजवंश ने भारत में अंग्रेजों से पूर्व ढाई-तीन सौ वर्षों तक राज किया था।

मुगलई वि. (तुर्की.) 1. मुगल संबंधी 2. मुगलों में होने वाला, मुगलों जैसा।

मुगलक वि. (अर.) 1. बहुत मुश्किल 2. छिपा हुआ या अव्यक्त।

मुगल-पठान पुं. (तुर्की.+तद्.) 1. एक विशेष प्रकार का खेल जिसमें 16 गोठियों में चौकोर खींची रेखाओं में खेला जाता है 2. आपस में लड़ते हुए पुतलों के आकार की एक विशिष्ट आतिशबाजी।

मुगलाई स्त्री. (तु.) एक विशेष आकार का कपड़ा जिसमें सुनहला या रूपहला पट्टा टँका रहता है।

मुगलानी स्त्री. (तु.+तद्.) 1. मुगल जाति की स्त्री 2. मुसलमान रईसों के यहाँ कपड़े सीने वाली स्त्री 3. दासी, मजदूरनी।

मुगलिया वि. (फा.) 1. मुगलों का 2. मुगलों की तरह का, मुगलों का सा।

मुगली स्त्री. (तुर्की.) पसली का रोग वि. दे. मुगलिया।

मुगवन पुं. (तद्.) मोठा।

मुगवा स्त्री. (तद्.) अतिस्रवा, मयूरवल्ली।

मुगलता पुं. (अर.) धोखा।

मुगौरी/मुंगौरी स्त्री. (तद्.) मूँग की दाल को पीसकर तैयार की जाने वाली छोटी बरी।

मुग्ध वि. (तत्.) 1. जो मूर्च्छित या स्तब्ध हो गया हो 2. मूढ़, मूर्ख 3. जो किसी पर इतना आसक्त हो कि सुध-बुध खो बैठे 4. सीधा-सच्चा, सरल 5. निरीह 6. नया, नवीन 7. मनोहर, सुंदर।

मुग्धता स्त्री. (तत्.) 1. मुग्ध होने की अवस्था या भाव 2. सुंदरता।

मुग्धबुद्धि वि. (तत्.) मूर्ख, जड़मति।

मुग्धम वि. (तत्.) 1. संकेत रूप में कहा हुआ 2. जिसका रहस्य अन्य लोग न जानते हों 3. जो गुप्त हो या छिपा हुआ हो 4. चुप, मौन पुं. जुए में वह स्थिति जिसमें किसी की न जीत होती हो और न ही हार।